



। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

। प्रश्नोत्तर संकलन कि तैयारी कि किनी .IV

(01-2x5)



M 26955

Reg. No. :

Name :

IV Semester M.A./M.Sc./M.Com. Degree (Reg./Sup./Imp.)

Examination, March 2015

HINDI LANGUAGE AND LITERATURE

Paper – XIV : Indian Literature

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

- I. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।
- वर्तमान परिस्थितियों का असर भारतीय साहित्य में बदलाव लाता है - अपना मत प्रकट कीजिए।
 - भारतीय साहित्य को देश के राजनीतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक पक्षों का प्रश्रय मिला है। अपना विचार प्रकट कीजिए।
 - तुलनात्मक साहित्य के प्रयोजन पर प्रकाश डालिए। (1x8=8)
- II. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- भारतीयता में मानवीय संवेदनाओं का महत्वपूर्ण स्थान है - आलोचना कीजिए।
 - भारतीय साहित्य से क्या तात्पर्य है ?
 - भारतीय साहित्य की प्रगतिशीलता पर प्रकाश डालिए।
 - भारतीय साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता पर विचार कीजिए। (2x4=8)
- III. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।
- 'हयवदन' की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।
 - मनुष्य की अपूर्णता का आख्यान है 'हयवदन'। विवेचन कीजिए।
 - 'हयवदन' के कथानक को आगे बढ़ाने में भागवत का योगदान क्या है ? (1x8=8)
- IV. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।
- 'कागज़ और कैनवस' की कविताओं में प्रतिपादित व्यंग्यात्मकता पर विचार कीजिए।
 - सिद्ध कीजिए कि अमृता प्रीतम मानवतावादी दृष्टिकोण रखनेवाली सशक्त कवयित्री है।
 - भावों के प्रतिरोपण में 'कागज़ और कैनवस' के अनुवादक कहाँ तक सफल हुए हैं ? (1x8=8)

P.T.O.



V. A) किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

- 1) देवदत्त की चरित्रगत विशेषताएँ।
- 2) 'हयवदन' में व्यक्त मैत्री भाव को व्यक्त कीजिए।
- 3) 'हयवदन' की अभिनेयता पर विचार कीजिए।
- 4) 'हयवदन' में यक्षगान की शैली का प्रभाव है - विचार प्रकट कीजिए।

B) किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

- 1) 'राजनीति' कविता की आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।
- 2) 'खाली जगह' कविता में व्यक्त मानवीय संवेदना।
- 3) अमृता प्रीतम की काव्य-कुशलता पर प्रकाश डालिए।
- 4) 'स्टिल लाइफ' कविता में गहरा साँस छिपा हुआ है - व्यक्त कीजिए। (4×5=20)

VI. किन्हीं एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।

- 1) 'मास्टर साहब' में प्रतिपादित नक्सलवाद पर प्रकाश डालिए।
- 2) नारी संबन्धी अत्याचार एवं शोषण का चित्रण 'मास्टर साहब' में है - अपना विचार प्रकट कीजिए।
- 3) 'मास्टर साहब' जीवनीपरक उपन्यास है - समीक्षा कीजिए। (1×8=8)

VII. किन्हीं दो प्रश्नों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

- 1) जिस प्रकार वृक्षों में कल्पवृक्ष श्रेष्ठ होता है, उसी प्रकार अंगों में मस्तिष्क श्रेष्ठ है, और इसलिए देवदत्त का मस्तिष्क जिसके पास है वही देवदत्त है, और वही पद्मिनी का सच्चा स्वामी है।
- 2) मैं भी न जाता, पर तुमने बार बार अपनी मनौती की याद दिलाती, इसलिए चला गया। पर जाना अच्छा ही हुआ।
- 3) पहले तुम्हारी देह से एक और ही महक आती थी - सहज मर्दानी महक - जो ज़्यादा अच्छी लगती थी।
- 4) मेरा बेटा नहीं जानता था कि नदी के साथ कोई कैसे हँसता है? ठंडी हवा में कैसे काँपता है? पाँवों में काँटे कैसे चुभते हैं? वह सब दिखाने के लिए ले आयी। (2×5=10)



VIII. किन्हीं दो प्रश्नों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

- 1) हर मकान एक मुट्ठी सा भिंचा हुआ दीवारें ... किचकिचाती सी और नलियाँ, ज्यों मुँह से झाग बहती है।
- 2) 'ईश्वर' एक बासी रोटी 'सब्र' अधपका सालन चाहे तो जी भरकर वह दोनों जून खा ले।
- 3) यह सोचने का वक्त न था या इस तरह कहूँ कि सोचने में खौफ लगता था यह लफ़्ज़ों का जशन था भुलावों की वर्षगाँठ।
- 4) यह कितने तिकोन पत्थर हैं- जो किसी पानी के घूँट से गले से उतारे हैं कितने भविष्य हैं जो वर्तमान से बचाये हैं और शायद वर्तमान भी - मैं ने वर्तमान से बचाया है। (2×5=10)